

श्रीमन्महादेव प्रजिते नमः

55

सहस्र संवत् ५२०

~~वसन्ती गजेश्वरी नमः~~

विक्रमी २००१

प्राक् १८६६

हिजरी ११४४ - ४४

हिजरी १३६६३

अने ०, २२, ४२, ०

सहस्र संवत् ५२०

विक्रमी २००१ ईस्वी १९४४ हिजरी १३६३ =

प्राक् १८६६

五

五

५

॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

[illegible]

सुषुम्ना

[illegible]

श्रीगुरुवीरभक्तनाथः श्रीगुरुदेव उवाच । सुक

[illegible]

[illegible]

मं० ऐश्वर्य ३-१३-भी अत्र भित्ति कला रीत जं सुकली मंभं उठप्र मंतीनी मज्ज चैयणी मउंसु डिग सठि क वि-मं ९-००

सूत्र
श्री

५३	५५	५७	५९	६१	६३	६५	६७	६९	७१	७३	७५	७७	७९	८१	८३	८५	८७	८९	९१	९३	९५	९७	९९	१०१	१०३	१०५	१०७	१०९	१११	११३	११५	११७	११९	१२१	१२३	१२५	१२७	१२९	१३१	१३३	१३५	१३७	१३९	१४१	१४३	१४५	१४७	१४९	१५१	१५३	१५५	१५७	१५९	१६१	१६३	१६५	१६७	१६९	१७१	१७३	१७५	१७७	१७९	१८१	१८३	१८५	१८७	१८९	१९१	१९३	१९५	१९७	१९९	२०१	२०३	२०५	२०७	२०९	२११	२१३	२१५	२१७	२१९	२२१	२२३	२२५	२२७	२२९	२३१	२३३	२३५	२३७	२३९	२४१	२४३	२४५	२४७	२४९	२५१	२५३	२५५	२५७	२५९	२६१	२६३	२६५	२६७	२६९	२७१	२७३	२७५	२७७	२७९	२८१	२८३	२८५	२८७	२८९	२९१	२९३	२९५	२९७	२९९	३०१	३०३	३०५	३०७	३०९	३११	३१३	३१५	३१७	३१९	३२१	३२३	३२५	३२७	३२९	३३१	३३३	३३५	३३७	३३९	३४१	३४३	३४५	३४७	३४९	३५१	३५३	३५५	३५७	३५९	३६१	३६३	३६५	३६७	३६९	३७१	३७३	३७५	३७७	३७९	३८१	३८३	३८५	३८७	३८९	३९१	३९३	३९५	३९७	३९९	४०१	४०३	४०५	४०७	४०९	४११	४१३	४१५	४१७	४१९	४२१	४२३	४२५	४२७	४२९	४३१	४३३	४३५	४३७	४३९	४४१	४४३	४४५	४४७	४४९	४५१	४५३	४५५	४५७	४५९	४६१	४६३	४६५	४६७	४६९	४७१	४७३	४७५	४७७	४७९	४८१	४८३	४८५	४८७	४८९	४९१	४९३	४९५	४९७	४९९	५०१	५०३	५०५	५०७	५०९	५११	५१३	५१५	५१७	५१९	५२१	५२३	५२५	५२७	५२९	५३१	५३३	५३५	५३७	५३९	५४१	५४३	५४५	५४७	५४९	५५१	५५३	५५५	५५७	५५९	५६१	५६३	५६५	५६७	५६९	५७१	५७३	५७५	५७७	५७९	५८१	५८३	५८५	५८७	५८९	५९१	५९३	५९५	५९७	५९९	६०१	६०३	६०५	६०७	६०९	६११	६१३	६१५	६१७	६१९	६२१	६२३	६२५	६२७	६२९	६३१	६३३	६३५	६३७	६३९	६४१	६४३	६४५	६४७	६४९	६५१	६५३	६५५	६५७	६५९	६६१	६६३	६६५	६६७	६६९	६७१	६७३	६७५	६७७	६७९	६८१	६८३	६८५	६८७	६८९	६९१	६९३	६९५	६९७	६९९	७०१	७०३	७०५	७०७	७०९	७११	७१३	७१५	७१७	७१९	७२१	७२३	७२५	७२७	७२९	७३१	७३३	७३५	७३७	७३९	७४१	७४३	७४५	७४७	७४९	७५१	७५३	७५५	७५७	७५९	७६१	७६३	७६५	७६७	७६९	७७१	७७३	७७५	७७७	७७९	७८१	७८३	७८५	७८७	७८९	७९१	७९३	७९५	७९७	७९९	८०१	८०३	८०५	८०७	८०९	८११	८१३	८१५	८१७	८१९	८२१	८२३	८२५	८२७	८२९	८३१	८३३	८३५	८३७	८३९	८४१	८४३	८४५	८४७	८४९	८५१	८५३	८५५	८५७	८५९	८६१	८६३	८६५	८६७	८६९	८७१	८७३	८७५	८७७	८७९	८८१	८८३	८८५	८८७	८८९	८९१	८९३	८९५	८९७	८९९	९०१	९०३	९०५	९०७	९०९	९११	९१३	९१५	९१७	९१९	९२१	९२३	९२५	९२७	९२९	९३१	९३३	९३५	९३७	९३९	९४१	९४३	९४५	९४७	९४९	९५१	९५३	९५५	९५७	९५९	९६१	९६३	९६५	९६७	९६९	९७१	९७३	९७५	९७७	९७९	९८१	९८३	९८५	९८७	९८९	९९१	९९३	९९५	९९७	९९९	१००१	१००३	१००५	१००७	१००९	१०११	१०१३	१०१५	१०१७	१०१९	१०२१	१०२३	१०२५	१०२७	१०२९	१०३१	१०३३	१०३५	१०३७	१०३९	१०४१	१०४३	१०४५	१०४७	१०४९	१०५१	१०५३	१०५५	१०५७	१०५९	१०६१	१०६३	१०६५	१०६७	१०६९	१०७१	१०७३	१०७५	१०७७	१०७९	१०८१	१०८३	१०८५	१०८७	१०८९	१०९१	१०९३	१०९५	१०९७	१०९९	११०१	११०३	११०५	११०७	११०९	११११	१११३	१११५	१११७	१११९	११२१	११२३	११२५	११२७	११२९	११३१	११३३	११३५	११३७	११३९	११४१	११४३	११४५	११४७	११४९	११५१	११५३	११५५	११५७	११५९	११६१	११६३	११६५	११६७	११६९	११७१	११७३	११७५	११७७	११७९	११८१	११८३	११८५	११८७	११८९	११९१	११९३	११९५	११९७	११९९	१२०१	१२०३	१२०५	१२०७	१२०९	१२११	१२१३	१२१५	१२१७	१२१९	१२२१	१२२३	१२२५	१२२७	१२२९	१२३१	१२३३	१२३५	१२३७	१२३९	१२४१	१२४३	१२४५	१२४७	१२४९	१२५१	१२५३	१२५५	१२५७	१२५९	१२६१	१२६३	१२६५	१२६७	१२६९	१२७१	१२७३	१२७५	१२७७	१२७९	१२८१	१२८३	१२८५	१२८७	१२८९	१२९१	१२९३	१२९५	१२९७	१२९९	१३०१	१३०३	१३०५	१३०७	१३०९	१३११	१३१३	१३१५	१३१७	१३१९	१३२१	१३२३	१३२५	१३२७	१३२९	१३३१	१३३३	१३३५	१३३७	१३३९	१३४१	१३४३	१३४५	१३४७	१३४९	१३५१	१३५३	१३५५	१३५७	१३५९	१३६१	१३६३	१३६५	१३६७	१३६९	१३७१	१३७३	१३७५	१३७७	१३७९	१३८१	१३८३	१३८५	१३८७	१३८९	१३९१	१३९३	१३९५	१३९७	१३९९	१४०१	१४०३	१४०५	१४०७	१४०९	१४११	१४१३	१४१५	१४१७	१४१९	१४२१	१४२३	१४२५	१४२७	१४२९	१४३१	१४३३	१४३५	१४३७	१४३९	१४४१	१४४३	१४४५	१४४७	१४४९	१४५१	१४५३	१४५५	१४५७	१४५९	१४६१	१४६३	१४६५	१४६७	१४६९	१४७१	१४७३	१४७५	१४७७	१४७९	१४८१	१४८३	१४८५	१४८७	१४८९	१४९१	१४९३	१४९५	१४९७	१४९९	१५०१	१५०३	१५०५	१५०७	१५०९	१५११	१५१३	१५१५	१५१७	१५१९	१५२१	१५२३	१५२५	१५२७	१५२९	१५३१	१५३३	१५३५	१५३७	१५३९	१५४१	१५४३	१५४५	१५४७	१५४९	१५५१	१५५३	१५५५	१५५७	१५५९	१५६१	१५६३	१५६५	१५६७	१५६९	१५७१	१५७३	१५७५	१५७७	१५७९	१५८१	१५८३	१५८५	१५८७	१५८९	१५९१	१५९३	१५९५	१५९७	१५९९	१६०१	१६०३	१६०५	१६०७	१६०९	१६११	१६१३	१६१५	१६१७	१६१९	१६२१	१६२३	१६२५	१६२७	१६२९	१६३१	१६३३	१६३५	१६३७	१६३९	१६४१	१६४३	१६४५	१६४७	१६४९	१६५१	१६५३	१६५५	१६५७	१६५९	१६६१	१६६३	१६६५	१६६७	१६६९	१६७१	१६७३	१६७५	१६७७	१६७९	१६८१	१६८३	१६८५	१६८७	१६८९	१६९१	१६९३	१६९५	१६९७	१६९९	१७०१	१७०३	१७०५	१७०७	१७०९	१७११	१७१३	१७१५	१७१७	१७१९	१७२१	१७२३	१७२५	१७२७	१७२९	१७३१	१७३३	१७३५	१७३७	१७३९	१७४१	१७४३	१७४५	१७४७	१७४९	१७५१	१७५३	१७५५	१७५७	१७५९	१७६१	१७६३	१७६५	१७६७	१७६९	१७७१	१७७३	१७७५	१७७७	१७७९	१७८१	१७८३	१७८५	१७८७	१७८९	१७९१	१७९३	१७९५	१७९७	१७९९	१८०१	१८०३	१८०५	१८०७	१८०९	१८११	१८१३	१८१५	१८१७	१८१९	१८२१	१८२३	१८२५	१८२७	१८२९	१८३१	१८३३	१८३५	१८३७	१८३९	१८४१	१८४३	१८४५	१८४७	१८४९	१८५१	१८५३	१८५५	१८५७	१८५९	१८६१	१८६३	१८६५	१८६७	१८६९	१८७१	१८७३	१८७५	१८७७	१८७९	१८८१	१८८३	१८८५	१८८७	१८८९	१८९१	१८९३	१८९५	१८९७	१८९९	१९०१	१९०३	१९०५	१९०७	१९०९	१९११	१९१३	१९१५	१९१७	१९१९	१९२१	१९२३	१९२५	१९२७	१९२९	१९३१	१९३३	१९३५	१९३७	१९३९	१९४१	१९४३	१९४५	१९४७	१९४९	१९५१	१९५३	१९५५	१९५७	१९५९	१९६१	१९६३	१९६५	१९६७	१९६९	१९७१	१९७३	१९७५	१९७७	१९७९	१९८१	१९८३	१९८५	१९८७	१९८९	१९९१	१९९३	१९९५	१९९७	१९९९	२००१	२००३	२००५	२००७	२००९	२०११	२०१३	२०१५	२०१७	२०१९	२०२१	२०२३	२०२५	२०२७	२०२९	२०३१	२०३३	२०३५	२०३७	२०३९	२०४१	२०४३	२०४५	२०४७	२०४९	२०५१	२०५३	२०५५	२०५७	२०५९	२०६१	२०६३	२०६५	२०६७	२०६९	२०७१	२०७३	२०७५	२०७७	२०७९	२०८१	२०८३	२०८५	२०८७	२०८९	२०९१	२०९३	२०९५	२०९७	२०९९	
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	--

[illegible]

मं० सुभाषचन्द्रबोस ३१/१२/१९३७ कलकत्ता कलकत्ता मिशनरिजिस्ट्रारमंडल। प्रतीक डि० १७३७ गंगाधर प्रसाद उपाध्याय वि.मं १००७

[illegible]

[illegible]

मंत्रः १०. सुधाकमुनि ३५। २२ मिमसुम कर्त्तुं गत्वा मिथ्यामंके। सुधाकमुनि मुनि मन्त्राग्नीमित्र उवाच ३५।

[illegible]

[illegible]

संख्या ३० फागुन १९५५ ई. अठ्ठौं कंसु भिस्ती तं सुभिमार्ग पंक । मिमव सुक्ति उठाली विमु सुमार्ग प्रगुडमार्ग

[illegible]

मं० ठ व भि मु मि म न क्षि पी मु मि १५ । १५ प्र सं अ क लं डी कं गी मं सु मि मा । अ न्नं भ वी च हृ ति उ द र नी मू स उ द र बी म पं र प्रै के

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

[illegible]

मयउ३० मलकवमिठवमैइवमि३३.०१३ं अ३ मं३ कं३ नी भी सु मिम३ तं३
मउं अ३ मू३ उ३ वी३ नी३ जे३ सु३ वी३ म३ म३ प्र३ कं३

[illegible]

ਸ੍ਰੀ ਵਿਸ਼ਨੂੰ ਸੁਰਾਧ ਨਮ :

मंत्रः १०. महेश्वरि पूजितं श्रीमहाः ०३५५

क० ग० ग० : ५५५ पृष्ठ ३३ भाग १ : ११

दिनांक: १९१० वर्ष ४ मास ४ सुदी

निवर्णः १११ • ३३३ • ३३३ •
 अथर्वः • १११ • ३३३ • ३३३ •

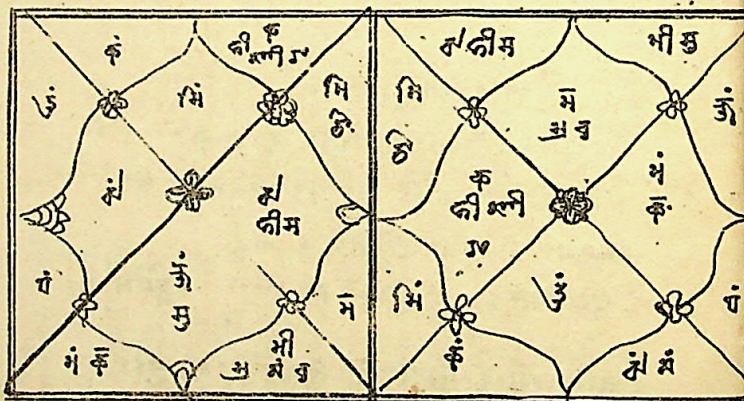
यमिहममि मंरुतिः जयममः मरुतिः।

उभयानुष्ठानिकादनि यत्रतः पश्चिमयेत् ॥

ਪੰ. ਸਾਬਤਾਮ ਤਾਲਾਬਾਜ਼ ਕੋਲੀਆਂ ਸ਼ਿਲਪੀ ਸ਼ਿਵਰਾਮ
ਕਾਥੀ

वक्ष्यमाणं

संगलग्नम्॥



मंवेडा१० सुवसि सभायं गुडवामरं अदेभामे
मि०॥३३ मेसामि०॥१७ कल १॥०७ मिडिः
१॥०७ गूमः १॥३३

मंवेडा१० छत्रभिसुमिमलक्षिमिसुमि
प्रलिभायं सुके सकेभामेग०॥१०७
मेसामि०॥३३ कल ०॥३३ गूमः
०॥१०७



